इस समय कूड़ा खाद बनाने के लिये प्रयोग नहीं किया जाता बल्कि नीची भूमि को भरने के लिये प्रयोग किया जाता है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि कूड़े में से जिससे खाद बनाई जाती है कंकड़, पत्थर, शीशे के टुकड़े आदि नहीं निकाले जाते हैं और क्या यही कारण है कि किसान दिल्ली की खाद नहीं खरीदते हैं ; और

(ग) क्या सरकार का विचार विदेशी सहयोग से एक उर्वरक कारखाना स्थापित करने तथा इस कूड़ा खाद को कच्चे माल के रूप में प्रयोग करने का है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे): (क) तथा (ख). यह सच है कि दिल्ली नगर निगम इस समय कूड़े को नीची भूमि को भरने के लिये प्रयोग में ला रहा है। कूड़े को इकट्ठा करने की विधि द्वारा और विशेषकर नगर निगम द्वारा शाहदरा कूड़े के भण्डार में इकट्ठा किये गए कूड़े में कंकर पत्थर, शीशे के टुकड़े आदि अवश्य पाए जाते है। इस कारण किसान इस खाद को नहीं खरीदते। अतः उन्हें यह खाद मुफ्त उठाने की अनुमति दी जाती है। दिल्ली प्रशासन किसानों में बेचने के लिये इस खाद को छानने का प्रबन्ध कर रहा है।

(ग) जी नहीं।

राज्यों में खाद्यान्नों के मूल्य

953. डा० महादेव प्रसाद : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन राज्यों में, जहां गैर कांग्रेसी सरकारें है, वस्तुओं के मूल्य, विशेषकर खाद्यान्न के मूल्य गिर गये है ; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे): (क) कांग्रेसी सरकारों और गैर-कांग्रेसी सरकारों वाले राज्यों में खाद्यान्न सहित कृषि वस्तुओं के भावों में बढ़ोतरी और गिरावट के मामले में, जिनके बारे में खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मन्त्रालय में सूचना उपलब्ध है ; कोई भेद-भाव नहीं देखा गया है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

Sale of gift clothes in Bihar

954. **Shri K. N. Pandey:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that gifts of clothes from Europe and North America distributed among the destitute persons in Bihar are sold in the open market to shopkeepers; and

(b) if so, the steps being taken to check this practice?

The Minister of State in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation (Shri Annasahib Shinde): (a) and (b). Gifts of foreign cloths have been received from Europe only by the Central Relief Committee (India), New Delhi for distribution among the destitutes in the scarcity affected areas. The Bihar Relief Committee, who were entrusted by the Central Relief Committee with the distribution of these clothes in the scarcity-affected areas of Bihar have no direct knowledge of the sale of such clothes in the open market to the shopkeepers.

Detention of Vessels at Port Blair

955. **K. R. Ganesh:** Will the Minister of **Transport and Shipping** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the mainland-island Vessel 'M.V. Nicobar' on her voyage ex-Port Blair on the